बांस पौधशाला एवं रख-रखाव विषय पर दी गयी जानकारी

देशप्राण संवाददाता

पत्रिका का विमोचन करते निदेशक एवं अन्य।

पिस्कानगड़ी, 4 फरवरी : लालगुटवा स्थित वन उत्पादकता संस्थान में सोमवार को बांस तकनीकी सहायता समूह एवं भारतीय वानिकी अनुसंधान तथा शिक्षा परिषद के द्वारा आयोजित बांस पौधशाला एवं रख-रखाव विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुरू किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी ने दीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण सत्र का उद्घाटन किया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. नितिन कुलकर्णी ने कहा कि इस प्रशिक्षण में झारखंड एवं उड़ीसा राज्य के वन विभाग में कार्यरत वनपाल, वनरक्षक एवं रांची जिले के ग्रामीण प्रशिक्षण में भाग ले रहे हैं। पांच दिनों तक चलने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को बांस में लगने वाले रोग, रोग पर नियंत्रण, टिशू कल्चर द्वारा बांस का उत्पादन और बांस की व्यवसायिक खेती, खाद एवं सौंदर्य प्रसाधन के रूप में बांस का उपयोग आदि विषयों पर विस्तृत तकनीकी जानकारी दी जायेगी। संस्थान के अनुसंधान समूह समन्वयक डॉ. योगेश्वर मिश्रा द्वारा प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पर जानकारी दी गई। इस अवसर पर जबलपुर के सेवानिवृत्त वैज्ञानिक डॉ. केके सोनी, व्यवसायी सुभाष भाटिया के अलावे संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. शरद तिवारी, डॉ. संजय सिंह, डॉ. अनिमेष सिन्हा आदि मौजूद थे।